an>

Title: Regarding alleged rape cases in Haryana, Maharashtra, Uttar Pradesh and other places in the country.

श्रीमती रंजीत रंजन (सुपौल): माननीय अध्यक्ष जी, एक बार हम सबने बहुत डिसकशन निर्भया को लेकर रेप के बारे में किया था। यहां बहुत गंभीर चर्चा हुई थी और बहुत से नियम भी बनाए गए थे लेकिन आज जो देश की स्थिति है, वह हम सबको मार्मिक भी करती है और सिर शर्म से झुक जाता है। एक घटना रोहतक, हरियाणा में हुई। वह लड़की 20 साल की हो चुकी है। 2013 में उसके साथ गैंग रेप हुआ। जिन्होंने गैंग रेप किया, कुछ महीनों बाद जेल गए। जेल जाने के कुछ महीने बाद उनकी जमानत हुई। वे बीच में बार-बार उसे धमकियां देते रहे कि केस वापिस लिया जाए। उसे कोई प्रोटेक्शन नहीं मिली। एक बार फिर उन्हीं लोगों ने उसके साथ गैंग रेप किया। आज उस लड़की की क्या हालत होगी? उसके अंदर क्या चल रहा होगा? किस तरह की प्रोटेक्शन सरकार कर रही है, चाहे सैंटर में हो या स्टेट में हो? महिलाओं की सुरक्षा देश में नहीं है, क्या हमें यह समझ लेना चाहिए?

दूसरा कांड महाराष्ट्र के अहमद नगर में हुआ। टीवी में दिखाया जा रहा है कि फिर से एक बार निर्भया जैसा कांड हुआ। 15 साल की बच्ची चायपत्ती लेने जाती है, तीन-चार लड़के उसके साथ गैंग रेप करते हैं, गैंग रेप ही नहीं करते हैं, उसके इन्टर्नल पार्ट को क्षति भी पहुंचाते हैं। उसकी दोनों बाजुओं की हड्डी तोड़ देते हैं। यह सब आज सबके सामने है।

तीसरा कांड, बुलंदशहर में एक लड़की के साथ एक साल पहले रेप हुआ था। वह प्रेगनेंट थी, आज उसे बच्चा हुआ है, उसे अस्पताल में जाकर धमकाया जा रहा है कि केस वापिस लो। वह एसएसपी के पास भागकर जा रही है। क्या पुरुष जानवर है या मानवता बची हुई है? मुझे नहीं लगता कि महिलाओं या बच्चियों को न्याय मिल रहा है चाहे जितने भी कानून हों। यहां बोलकर मैं सिर्फ अपने मन को सैंटिसफेक्शन देना चाहती हूं, शांति देना चाहती हूं और उन बच्चों को सिर्फ यह बताना चाहती हूं कि कहीं न कहीं अगर मैं कुछ नहीं कर पा रही हूं तो अपने गुबार को सदन में निकालकर उनके साथ हूं।

मैं सिर्फ इतना बताना चाहती हूं कि आज मुझे भी विश्वास नहीं हो रहा है। कहीं पर भी, किसी भी प्रदेश में यह राजनीति न हो कि कहां पर किसकी सरकार है, जिसकी भी सरकार हो, महिलाएं और बच्चियां तो हमारी हैं। वह किसी पार्टी या धर्म की नहीं हैं। कहीं दलित के साथ ऐसा हो रहा है, कहीं ओबीसी के साथ हो रहा है, तो कहीं फारवर्ड क्लास के साथ हो रहा है। यह सब महिलाओं और बच्चियों के साथ हो रहा है। क्या हमारे देश में उन्हें न्याय मिलेगा या हम सिर्फ शर्म से सिर झुकाते रह जायेंगे?

अध्यक्ष महोदया, यह जो तीसरी घटना हुई है, उसमें जब उस लड़की का मर्डर हो जायेगा, तब क्या हम पूरा शोर मचायेंगे? जब वह बच्चा भी जाये और बच्ची भी जाये, तब क्या हम उन बदमाशों को जेल भिजवा सकेंगे?

अध्यक्षा जी, यह बहुत गंभीर विषय होता जा रहा है। आज हर मुद्दे एक तरफ हैं और यह मुद्दा एक तरफ है। आज हमारे घर की मां-बच्चियां खासकर गरीब, दलित की मां-बच्चियां सुरक्षित नहीं हैं, तो ऐसे देश में हम सिर्फ चर्चा करके क्या करेंगे? आज फिर से हमारा सिर शर्म से झुका है। मैं आशा करूंगी कि कोई न कोई ऐसा उपाय निकाला जाये, जिससे उन दरिंदों को सजा मिल सके, कुछ सबक मिल सके। बहुत-बहुत धन्यवाद। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री अजय मिश्रा टेनी,

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्रीमती नीलम सोनकर,

श्रीमती पी.के. श्रीमथि टीचर और

श्रीमती रेखा वर्मा को श्रीमती रंजीत रंजन द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

â€¦(व्यवधान)

SHRIMATI P.K. SHREEMATHI TEACHER (KANNUR): Madam, I associate with this matter....(*Interruptions*)

SHRI KODIKUNNIL SURESH (MAVELIKKARA): Madam, the Government should make a statement. This is a very serious matter. The hon. Parliamentary Affairs Minister is sitting here....(*Interruptions*) It is a rape of Scheduled Caste woman....(*Interruptions*)